दिनांक 18 जनवरी, 1985

क्रमांक 1592-ज-(I)-84/1982.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है भीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रनुसार सौंपे गये ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती फूलवती, विधवा श्री प्रताप सिंह, गांव पलड़ा, तहसील गुडगावा, जिला गुडगांवा, को रबी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के ग्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 1637-ज-(I)-84/1986.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिष्ठिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा कि राज्य में भ्रपनाया गया है भीर उसमें भ्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के श्रनुसार सौपे गये ग्रिष्ठकारों का भ्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री सुन्दर सिंह, पुत्र श्री लब्बू राम, गांव खान श्रहमदपुर, तहसील श्रम्बाला, जिला श्रम्बाला, को खरीफ़, 1975 से खरीफ़, 1979 तक 150 एपए वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1638-ज (I)-84/1991.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(v)(1) तथा 3(1) के ग्रनुसार सौंपे गये ग्रिधिकारों का प्रयोग, करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री खुशहाल सिंह, पुन्न श्री मधर सिंह, गांव डेरा सली मपुर, तहसील ग्रम्बाला, जिला ग्रम्बाला, को रबी, 1974 से खरीफ, 1979 तक- 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की मत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के ग्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 22 जनवरी, 1985

कमांक 1640-ज-(II)-84/2375.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सींपे गये अधिकारों का अयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमृती सदा कौर, विधवा श्री रामजी लाल, गांव डोहकी, तहसील दादरी, जिला निवाल को बरी के, 1971 से खरी के, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 27-ज-(II)-85/2383 --श्री टेक चन्द, पुत्र श्री मुख राम, गांव नौरंगावास, तहसील दादरी, जिला भिवानी, की दिनांक 17 दिसम्बर, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार पिष्टिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया हैं और उसमें आज तक संगोधन किया गया हैं) की धारा 1 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधील प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री टेक चन्द की मुब्लिंग 300 रुपये व्यक्ति की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की प्रधिसूचना कमांक 175-आर-(4)-67/1124, दिनांक 18 अप्रैल, 1967, 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 क्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सुन्दर देवी के नाम खरीफ, 1984 से 300 उपये गविक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

कमांक 1569-ज (II)-84/2379.—श्री जुग लाल, पुत श्री नत्यु, गांव सासरौली, तहसील झज्जर (श्रव कोसली), जिला रोहतक, की दिनांक 3 ग्रगस्त, 1974 को हुई मृत्यु के परिणामण्डल्प, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रवितियम, 1948 (जैसा वि उसे हरियाणा राज्य में भ्रपनाया गया है भीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के ग्रधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए थी जुगलाल को मुख्लिंग 100 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे संयुक्त पंजाब सरकार की श्रधिसूचना क्रमांक 218-जे-सी-52/813, दिनांक 4 ग्रप्रैल, 1952, द्वारा मंजूर की गई थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमती दाखां देशी के नाम रबी, 1975 से 100 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्ती के श्रन्तर्गत प्रदान करते हैं।

कमांक $23-\pi-(1)-85/2395$.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य ग्रपनाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(0) (1) तथा 3(1) के ग्रनुसार सौंपे गये ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री कहर सिंह, पुत्र श्री सन्त सिंह, गांव बहलौली, तहसील नारायणगढ़, जिला ग्रम्बाला, को रबी, 1973 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्ती ग्रनुसार, सहर्ष प्रदान करते हैं।

टी० ग्राए० तुली, ग्रवर सविव, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग ।